दर्शनाचार्य – द्वितीय वर्ष

पंचम पत्र : वेदान्त दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	ब्रह्मसूत्र : प्रथम अध्याय,शांकर भाष्य सहित	40 (60)अंक
2	ब्रह्मसूत्र: शेषभाग, शांकर भाष्य सहित अथवा उदयवीर शास्त्रीय विद्योदय भाष्य सहित	40 (40) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1. परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2. सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

षष्ठ पत्र: मीमांसा तथा अन्य दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	अर्थ–संग्रह,लौंगाक्षिभास्करकृत	30(40) अंक
2	सर्वदर्शन–संग्रह–प्रकरण 1–7,चार्वाक,बौद्ध, आर्हत,रामानुज, पूर्णप्रज्ञ,पाशुपत तथा शैव–सिद्धान्त	50(60) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1. परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2. सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

सप्तम पत्र: निबन्ध तथा व्युत्पत्ति

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	निबन्ध किसी एक दार्शनिक विषय से सम्बन्ध	50 (70) अंक
2	व्युत्पत्ति दर्शन विषयक ज्ञान का परीक्षण	30 (30) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1. परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2. सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

अष्टम पत्र : दर्शन शास्त्र का इतिहास

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	दर्शन शास्त्र का इतिहास	40 (50)
2	निबन्ध तथ व्युत्पत्ति	40(50)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

साहित्याचार्य– प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : गद्य तथा चम्पू

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	वासवदत्ता ,सुबन्धु, सम्पूर्ण	20 (25) अंक
2	हर्षचरित,बाण भट्ट,पंचम उच्छ्वास	20 (25) अंक
3	नैषधीय चरित,श्रीहर्ष,1,2 सर्ग	20 (25) अंक
4	रामायण चम्पू,भोजराज, सम्पूर्ण	20 (25) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

द्वितीय पत्र : नाटक एवं नाट्य शास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	मुद्राराक्षस, विशाखदत्त	30 (35) अंक
2	भरत नाट्यशास्त्र 6–7 अभिनव भारती सहित	20 (30) अंक
3	प्राकृत,प्रकाश वररुचि	30 (35) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

तृतीय पत्र : काव्य शास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धनाचार्य प्रथम द्वितीय उद्योग लोचन सहित	40 (50) अंक
2	अलंकार सर्वस्व,रुय्यक	40 (50) अंक